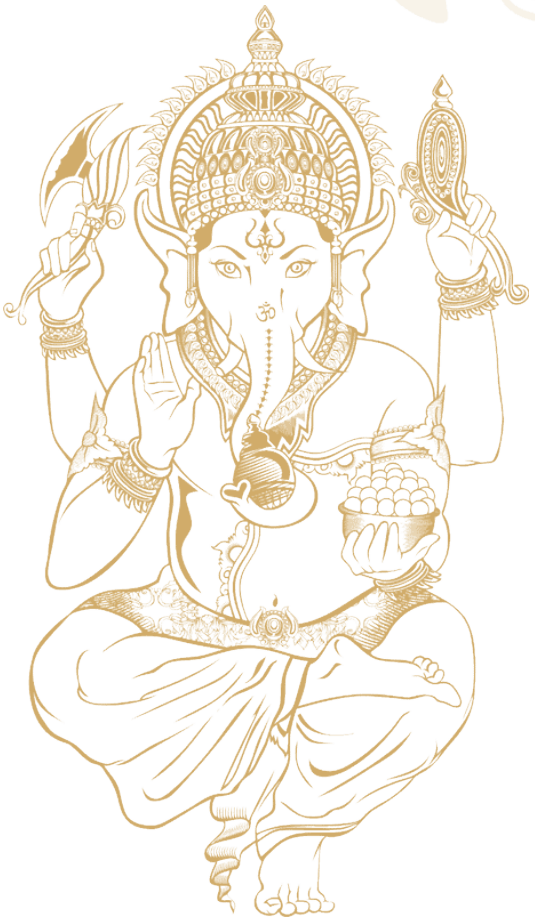

Jeenia

15 Sep 2005

07:15 PM

Muktsar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121425716

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/09/2005**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:15:00 घंटे**
इष्ट	32:27:20 घटी
स्थान	**Muktsar**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:30:00 उत्तर
रेखांश	74:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:43:16 घंटे
वेलान्तर	00:04:45 घंटे
साम्पातिक काल	18:21:45 घंटे
सूर्योदय	06:16:03 घंटे
सूर्यास्त	18:37:18 घंटे
दिनमान	12:21:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:52:42 सिंह
लग्न के अंश	14:00:31 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सुकर्मा
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	14:00:31	525:15:26	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
सूर्य			सिंह	28:52:42	00:58:28	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	स्वराशि
चंद्र			मक	23:48:16	14:56:01	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	सम राशि
मंगल			मेष	27:33:02	00:13:17	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
बुध		अ	सिंह	26:37:46	01:52:44	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
गुरु			कन्या	27:25:41	00:12:09	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	10:34:23	01:09:15	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि			कर्क	13:29:46	00:06:13	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	19:48:11	00:02:30	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	19:48:11	00:02:30	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	14:16:44	00:02:17	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	21:19:35	00:01:12	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	27:56:08	00:00:26	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			धनु	11:03:19	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:09

लग्न-चलित

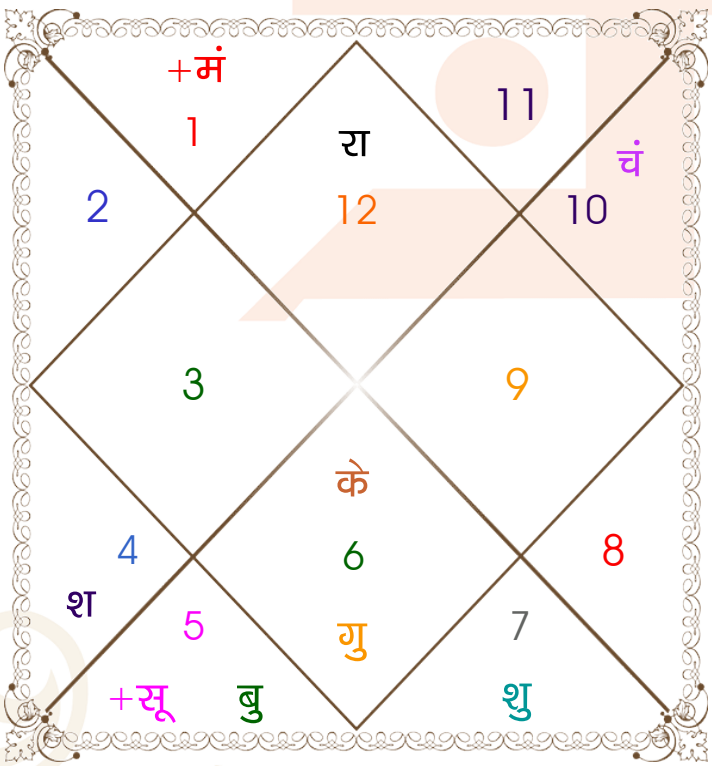

चन्द्र कुंडली

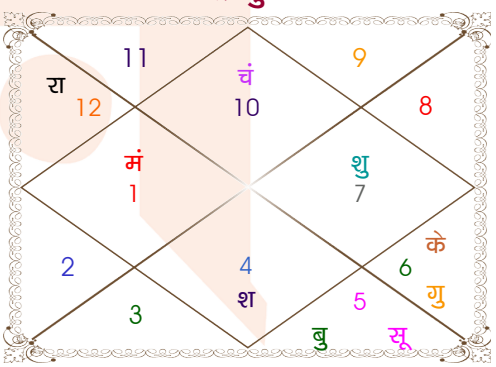

नवमांश कुंडली

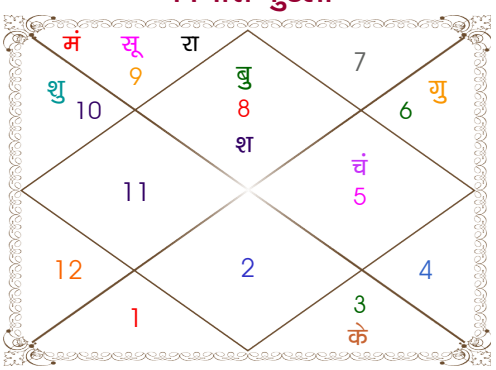

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 9 मास 0 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
15/09/2005		17/06/2012		17/06/2030		17/06/2046		17/06/2065	
17/06/2012		17/06/2030		17/06/2046		17/06/2065		17/06/2082	
मंगल	13/11/2005	राहु	28/02/2015	गुरु	04/08/2032	शनि	20/06/2049	बुध	14/11/2067
राहु	02/12/2006	गुरु	24/07/2017	शनि	16/02/2035	बुध	28/02/2052	केतु	10/11/2068
गुरु	08/11/2007	शनि	29/05/2020	बुध	24/05/2037	केतु	08/04/2053	शुक्र	11/09/2071
शनि	16/12/2008	बुध	17/12/2022	केतु	30/04/2038	शुक्र	08/06/2056	सूर्य	17/07/2072
बुध	14/12/2009	केतु	04/01/2024	शुक्र	29/12/2040	सूर्य	21/05/2057	चंद्र	17/12/2073
केतु	12/05/2010	शुक्र	04/01/2027	सूर्य	17/10/2041	चंद्र	20/12/2058	मंगल	14/12/2074
शुक्र	12/07/2011	सूर्य	29/11/2027	चंद्र	16/02/2043	मंगल	29/01/2060	राहु	02/07/2077
सूर्य	17/11/2011	चंद्र	30/05/2029	मंगल	23/01/2044	राहु	05/12/2062	गुरु	08/10/2079
चंद्र	17/06/2012	मंगल	17/06/2030	राहु	17/06/2046	गुरु	17/06/2065	शनि	17/06/2082

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/06/2082		17/06/2089		18/06/2109		18/06/2115		18/06/2125	
17/06/2089		18/06/2109		18/06/2115		18/06/2125		00/00/0000	
केतु	13/11/2082	शुक्र	16/10/2092	सूर्य	06/10/2109	चंद्र	18/04/2116	मंगल	16/09/2125
शुक्र	13/01/2084	सूर्य	17/10/2093	चंद्र	06/04/2110	मंगल	17/11/2116		00/00/0000
सूर्य	20/05/2084	चंद्र	17/06/2095	मंगल	12/08/2110	राहु	19/05/2118		00/00/0000
चंद्र	19/12/2084	मंगल	17/08/2096	राहु	07/07/2111	गुरु	18/09/2119		00/00/0000
मंगल	18/05/2085	राहु	17/08/2099	गुरु	24/04/2112	शनि	18/04/2121		00/00/0000
राहु	05/06/2086	गुरु	18/04/2102	शनि	06/04/2113	बुध	18/09/2122		00/00/0000
गुरु	12/05/2087	शनि	18/06/2105	बुध	10/02/2114	केतु	19/04/2123		00/00/0000
शनि	20/06/2088	बुध	18/04/2108	केतु	18/06/2114	शुक्र	17/12/2124		00/00/0000
बुध	17/06/2089	केतु	18/06/2109	शुक्र	18/06/2115	सूर्य	18/06/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 9 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाती है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करती है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करती है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगी।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर ली तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकती हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगी। परंतु आपको अपनी फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करती रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकती हैं। आप एक प्यारे पति आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगी।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर ली तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगी। आप सर्वथा अपनी मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगी। लेकिन आपके सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रही तो एक सफल गायक कलाकार हो सकती हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकती हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि की महिला हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखती हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करती रही तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगी।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहती हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।